6

विद्यापति

मधुबनी जिलामे बिसफी नामक एकटा गाम अछि । ओहि गाममे गणपति ठाकुर नामक एक पंडित छलाह । हुनका एक पुत्र भेलनि । ओहि बालकक नाम विद्यापति राखल गेल । विद्यापति संस्कृत पढ़ि नीक पंडित भेलाह। ओ बड़ पैघ कवि भेलाह।

ताहि दिन संस्कृतक विद्वान् संस्कृतहिमे श्लोक बनाबथि । मातृभाषामे कविता लिखबाक चलनि नहि छलैक । विद्यापति मातृभाषामे बहुत रास गीत बनाओल ।

ओ विचार कयलनि जे संस्कृत केवल पंडित बुझताह । तेहन भाषामे कविता बनाबी जे सभ बुझय।

हुनक गीत बड़ प्रचलित अछि । मिथिलामे विद्यापतिक गीतक दू चारि पाँती सभ गोटे जनैत छथि। स्त्रिगणकेँ हुनक गीत बड़ प्रिय । महादेवक ओ बड़ पैघ भक्त छलाह।

महराज शिवसिंह हुनका बड़ मानथिन । शिवसिंहकेँ गद्दी भेटलनि। बिसफी गाम विद्यापतिकेँ देलथिन ।

विद्यापति मैथिली भाषामे गीत बनाओल । बंगालहुमे हुनक गीत लोक गबैत अछि । विश्वकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर हिनक गीतसँ प्रभावित भेलनि आ टैगोर साहेब "भानुसिंहेर पदावली" नामक पोथी लिखि देलनि ।

हुनक मृत्युक सम्बन्धमे कहल जाइत अछि -

कातिक धबल त्रयोदशी जान

विद्यापतिक आयु अवसान ।

हुनक मृत्यु कातिकक इजोरिआक त्रयोदशीकेँ भेलनि । ओहि तिथिकेँ मिथिले टामे नहि, देश-विदेशमे विद्यापति पर्व बड़ धूम-धामसँ मनाओल जाइत अछि ।

- इन्द्रकान्त झा

प्रश्न ओ अभ्यास

1. प्रश्नक उत्तर दिअ

1. विद्यापतिक जन्म कतय भेलनि ?
2. विद्यापति मातृभाषामे किएक गीत बनौलनि ?
3. विद्यापतिकेँ लोक बंगाली किएक कहैत छल ?
4. विद्यापतिकेँ मृत्यु कहिआ भेलनि ?

2. मिलान करू

1.	विद्यापति	मधुबनी
2.	विसफी	गणपति ठाकुर

3. महादेव पंडित
4. संस्कृत भक्त

3. पहिने की भेल तकर बाद की भेल

1. विद्यापति पर्व बड़ धूम-धामसँ मनाओल जाइत अछि । ☐
2. महादेवक पैघ भक्त छलाह । ☐
3. स्त्रिगणकेँ हुनक गीत बड़ प्रिय । ☐
4. महाराज शिवसिंह हुनका बड़ मानथिन । ☐
5. मधुबनी जिलाक विसफी गाममे विद्यापतिक जन्म भेलनि । ☐

4. खाली जगहकेँ भरू

1. विद्यापतिक जन्म .... मे भेल । (दरभंगा, मधुबनी)
2. हिनक पिताक नाम .... छल । (गणपति ठाकुर, महादेव ठाकुर)
3. देश विदेशमे .... पर्व बड़ धूम-धामसँ मनाओल जाइत अछि (विद्यापति, फगुआ)

5. विचार करू

विद्यापतिक बादक तीन गोट आओर कविक नाम बताउ ।

विद्यापति आओर शिव सिंह कोन तरहेँ सम्बन्धित छलाह ।

विद्यापतिक गीतक चारि पाँती छात्रसँ सस्वर गवाओल जाय।

माने जानू

पंडित	–	विद्वान्
मातृभाषा	–	मायक भाषा
प्रचलित	–	चलनसारि
पैघ	–	नमहर
भक्त	–	भक्ति कयनिहार
धवल	–	इजोरिया, उज्जर
अवसान	–	मृत्यु